

touch. —संचारिन् a. contagious, infectious. —स्नानम् ablution at the entrance of the sun or moon into an eclipse. —स्पन्दः, —स्यन्दः a. frog.

स्पर्शन a. (—नी f.) [स्पर्श-स्पृश-वा ल्युद्] 1 Touching, handling. —2 Affecting, influencing. —नः Air, wind. —नम् 1 Touching, touch, contact. —2 Sensation, feeling. —3 Sense or organ of touch; Bg. 15. 9. —4 A gift, donation.

स्पर्शनकम् A term used in Sāmkhya philosophy for the 'skin.'

स्पर्शवत् a. 1 Tangible. —2 Soft, soft or agreeable to the touch; भूजत्वाचः स्पर्शवतीर्थधानाः Ku. 1. 55.

स्पर्शिक a. Tangible, perceptible.

स्पर्शित a. Given, donated; ज्ञात्वा तपसि सिद्धि च पत्न्यर्थं स्पर्शिता तदा Rām. 7. 30. 27 (com. स्पर्शिता भार्यात्वेन दत्ता).

स्पष्ट m. A distemper, disorder of the body, disease.

स्पष्ट 1 A. (स्पष्टे) To become wet or moist.

स्पष्ट 1 U. (स्पष्टि-ते) 1 To obstruct. —2 To undertake, perform. —3 To string together. —4 To touch. —5 To see, behold, perceive clearly, spy out, espy.

स्पशः [स्पश-अच्] 1 A spy, a secret emissary or agent; स्पशे शनैर्गतवति तत्र विद्विषाम् Si. 17. 20; Mu. 3. 13; see अपस्पश also. —2 Fight, war, battle. —3 One who fights with savage animals (for reward), or the fight itself.

स्पष्ट a. [स्पष्ट-क निं० इडभावः] 1 Distinctly visible, evident, clearly perceived, clear, plain, manifest; स्पष्टे जाते प्रत्युषे K. 'when it was broad day-break'; स्पष्टाकृतिः R. 18. 30; स्पष्टार्थः &c. —2 Real, true. —3 Full-blown, expanded. —4 One who sees clearly. —ष्टम् ind. 1 Clearly, distinctly, plainly. —2 Openly, boldly. (स्पष्टीकृति means 'to make clear or distinct', explain, elucidate.) —Comp. —अक्षर a. distinctly spoken. —अर्थ a. intelligible, clear. —गर्भी a. woman who shows evident signs of pregnancy. —प्रतिपत्तिः f. distinct notion, clear perception. —भाषिन्, —वक्तु a. plain-spoken, outspoken, candid.

स्पष्टयति Den. P. To make clear, explain, elucidate.

स्पष्टीकरणम् Making clear or intelligible.

स्पष्टीकृतिः Rectification, correction.

स्पृ 5 P. (स्पृणोति) 1 To deliver or extricate from. —2 To gratify. —3 To grant, bestow; स मेन्द्रो मेधया स्पृणोतु T. Up. 1. 4. 1. —4 To protect. —5 To live.

स्पृका Trigonella Corniculata (पिण्डका).

स्पृष्ट m. A rival, enemy; तयोः स्पृष्टोस्तिग्रमगदाहताव्यग्योः Bhāg. 3. 18. 19. —f. Contest, fight.

स्पृश 6 P. (स्पृशति, पृथक्ष, अस्पृक्षत्-अस्पाक्षांत्-अस्प्राक्षीत्, स्प्रक्षयति-स्प्रक्ष्यति, स्पृष्ट-स्पृष्टुम्, स्पृष्ट) 1 To touch; स्पृशन्नपि गजो हन्ति H. 3. 14; कर्णे परं स्पृशति हन्ति परं समूलम् Pt. 1. 304. —2 To lay the hand on, stroke gently with, touch; हस्तेन पृथक्ष तदज्ञमिन्दः Ku. 3. 22. —3 To adhere or cling to, come in contact with. —4 To wash or sprinkle with water; खानि चैव स्पृशेदद्विरात्मानं शिर एव च Ms. 2. 60. —5 To go to, reach; अस्यापि यो स्पृशति विशेनश्वारणद्वन्द्वगीतः S. 2. 15; R. 3. 43. —6 To attain to, obtain, reach a particular state; महोक्षतां वत्सरः स्पृशन्निव R. 3. 32; विनायर्थीर्वारः स्पृशति बहुमानोचतिपदम् H. 1. 175. —7 To act upon, influence, affect, move, touch; नन्दस्नेहणुः स्पृशन्ति हृदयं भूतोऽस्ति तद्विद्विषाम् Mu. 7. 16; Ku. 6. 95. —8 To refer or allude to. —9 To take, receive, accept (as a sacrificial offering). —10 To injure, harm. —11 To come into contact (in astr.). —12 To equal with. —Pass. To be polluted, defiled, or tainted; मया गृहीतनामानः स्पृश्यन्त इव पाप्नना U. 1. 48. —Caus. (स्पृशयति-ते) 1 To cause to touch. —2 To give, present; गा: कोटिशः स्पृश्यता घटोऽनीः R. 2. 49.

स्पृश् a. 1 (At the end of comp.) Who or what touches, touching, affecting, piercing; मर्मस्पृश्, हृदिस्पृश् &c. —2 Experiencing, betraying.

स्पृशः Touch, contact.

स्पृशी The prickly night-shade (Mar. कांटेरिंगणी).

स्पृश्य a. 1 Tangible. —2 To be taken in possession.

स्पृष्ट p. p. [स्पृश-क] 1 Touched, felt with the hand. —2 Come in contact with, touching. —3 Reaching, applying or extending to; अस्पृष्टपुरुषान्तरम् Ku. 6. 75. —4 Affected, seized; शङ्कास्पृष्टा Me. 71; अनधस्पृष्टम् R. 10. 19. —5 Tainted, defiled; न च या स्पृष्टमैयुना Ms. 8. 205. —6 Formed by the complete contact of the organs of speech (the letters of the five classes); अचोऽस्पृष्टा यणस्त्वीषेन्म-स्पृष्टाः शलः स्मृताः। शोषाः स्पृष्टा हः प्रोक्ता निबोधानुप्रदानतः Sik. 38. —ष्टम् Touch. —Comp. —पूर्व a. experienced before. —मात्र a. merely touched.

स्पृष्टकम् A kind of light embrace; नलस्पृष्टकमेत्य हृषा N. 6. 35 (यद् योषितः संमुखमागताया अन्यापदेशाद् व्रजतो नरस्य। गात्रेण गात्रं घटते यदेतदालिङ्गं स्पृष्टकमाहुरायाः॥ Com. by Nārāyaṇa.)

स्पृष्टास्पृष्टि n., स्पृष्टास्पृष्टम् Touching one another; cf. P. II. 2. 27.

स्पृष्टिः, स्पृष्टिका f. Touch, contact; तद्वयस्य अस्मच्छरीर-स्पृष्टिकांशापितोऽसि Mk. 3.

स्पृह् 10 U. (स्पृहयति-ते) To wish, long for, desire for, yearn, envy (with dat.); स्पृह्यामि खलु दुर्लिलतायास्मै S. 7; तपःक्षेत्रायापि स्पृहयन्ति K.; न मैथिलेयः स्पृह्यांबूब भर्त्रै दिवो नायलकेश्वराय R. 16. 42; Bh. 2. 45.

स्पृहणम् [स्पृह-ल्युद्] The act of desiring or wishing, longing for.